**Seventeenth Loksabha**

an>

Title: Regarding construction of Mahatma Gandhi Museum at Kora Kendra Sthal in North Mumbai, Maharashtra.

**श्री गोपाल शेट्टी (मुम्बई उत्तर):** माननीय अध्यक्ष जी, हम इस साल महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती मना रहे हैं । मैं देश के प्रधान मंत्री को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं । उन्होंने इसके लिए बहुत सारे कार्यक्रम हम सभी सांसदों को दिए हैं, जिसमें एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम 150 किलोमीटर की पदयात्रा भी है ।

अध्यक्ष जी, गांधी जी एक ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने देश के सभी राज्यों का भ्रमण किया और उसके साथ-साथ उन्होंने मुम्बई शहर का भी भ्रमण किया, जहां पर उन्होंने वर्ष 1942 में अगस्त क्रान्ति मैदान से 'भारत छोड़ो' का भी नारा दिया । मुम्बई शहर का एक बहुत बड़ा योगदान देश की आज़ादी में है, ऐसा मैं ही नहीं, बल्कि देश के सारे लोग इसे जानते हैं ।

अध्यक्ष जी, उन्हीं दिनों महात्मा गांधी जी ने बोरिवली कोरा केन्द्र की जो जमीन है, वहां पर उन्होंने वास्तव्य किया था और वहां पर उनका एक छोटा-सा मेमोरियल भी है । उन दिनों वहां मटकी बनती थी, झंडे बनते थे, अगरबत्ती बनती थी, साबुन इत्यादि बनते थे और कॉटज इंडस्ट्री चलाई जाती थी । लेकिन, आज़ादी के बाद उसे चलाने वाले जो व्यवस्थापक थे, उन्होंने धीरे-धीरे सारी चीज़ों का निर्माण बंद कर दिया । अब कुटीर उद्योग के नाम पर वहां सिर्फ एक वस्तु का निर्माण हुआ है, जिसके बारे में बहुत सारे लोग जानते भी नहीं हैं ।

मैं चाहता हूं कि चूंकि हम लोग वर्ष 2022 में आज़ादी का 75वां साल मना रहे हैं, मैं मानता हूं कि इस जगह को एक संग्रहालय और मेमोरियल के तौर पर बनाया जाए, ताकि आने वाले दिनों में हमारी जो अगली पीढ़ी है, वह महात्मा गांधी जी के योगदान के बारे में जाने और देश के प्रति युवाओं का जो लगाव है, वह भी बढ़ेगा । इसलिए मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से इस बात की गुजारिश करता हूं कि कोरा केन्द्र की इस जमीन पर एक बहुत बड़ा संग्रहालय बनाया जाए, ताकि महात्मा गांधी जी की यादों को हमारे देशवासी बहुत लम्बे समय तक जान सकें और अपने को उसके साथ जोड़ सकें । यह मेरा आपके माध्यम से निवेदन है ।

अध्यक्ष जी, बहुत-बहुत धन्यवाद ।

**माननीय अध्यक्ष:** श्री नारणभाई काछड़िया को श्री गोपाल शेट्टी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

**श्री गजेंद्र उमराव सिंह पटेल (खरगौन):** माननीय अध्यक्ष जी, धन्यवाद । अगर आपकी अनुमति हो तो मैं अपने विषय को परिवर्तित करना चाहता हूं ।

**माननीय अध्यक्ष:** ठीक है ।